नईदुनिया

कमजोर मानसून बड़ी चुनौती : देश पर सूखे का साया, 22 दिनों में सामान्य से 43 फीसदी कम बारिश; महंगाई बढ़ने का खतरा

नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम मानसून का पहला महीना खत्म होने में सिर्फ एक सप्ताह बचा है, लेकिन अब तक बीता यह सीजन देश के अन्नदाताओं और अर्थव्यवस्था के लिए सूखे जैसी बड़ी चुनौती लेकर आया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, एक से 22 जून तक देशभर में सामान्य से 43 फीसदी कम बारिश हुई है।मानसून की स्थिति में अगर तुरंत सुधार नहीं हुआ, तो देश के प्रमुख कृषि राज्यों में खरीफ की खेती पर तगड़ी मार पड़ सकती है। इससे न सिर्फ ग्रामीण इलाकों में मांग प्रभावित होगी, बल्कि खाद्य महंगाई का खतरा भी तेजी से बढ़ेगा। दरअसल, देश में सबसे ज्यादा खरीफ उत्पादन करने वाले महाराष्ट्र में सामान्य से 82 फीसदी और गुजरात में 75 फीसदी कम बारिश हुई है। छत्तीसगढ़ में 69 फीसदी और मध्य प्रदेश में 52 फीसदी कम बरसात दर्ज की गई है। वहीं, झारखंड में सामान्य से 66 फीसदी, ओडिशा में 48 फीसदी और बिहार, उत्तर प्रदेश एवं तेलंगाना में 43-43 फीसदी कम पानी बरसा है। दक्षिण भारत के कर्नाटक में 40 फीसदी और केरल में 28 फीसदी कम बारिश हुई है।

खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ेगा असर : शिवराज - भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, 2 जुलाई को समाप्त होने वाले सप्ताह तक मानसून ऐसे ही कमजोर रह सकता है।इसका असर खरीफ फसलों और संवेदनशील इलाकों पर पड़ेगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, देश के 315 जिलों में सामान्य से कम बारिश हो सकती है।इससे खरीफ फसलों की बुवाई पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। देश में अब तक कुल खरीफ क्षेत्र का करीब 10 फीसदी हिस्सा ही बोया गया है। 22 जून तक खरीफ फसलों का कुल रकबा 1.17 करोड़ हेक्टेयर रहा।हालांकि, यह पिछले वर्ष की समान अवधि (1.13 करोड़ हेक्टेयर) से थोड़ा अधिक है, लेकिन पानी की कमी से आगे की बुवाई और बोई जा चुकी फसलों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है।

देश के 315 जिलों में सामान्य से कम बारिश - सरकार ने 111 जिलों को अति-संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया है। यानी इन जिलों में कमजोर मानसून की सबसे अधिक मार पड़ेगी, क्योंकि वहां सिंचाई की सुविधा 25 फीसदी से भी कम है और वे बारिश पर ही निर्भर हैं। इनमें अकेले 20 जिले सिर्फ महाराष्ट्र में हैं।

आरबीआई की बड़ी चेतावनी - आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है, जोपिछले वित्त वर्ष के 7.7 फीसदी से कम है।

न्यूज ब्रीफ

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए 15 जुलाई से होगा लागू, सस्ती होंगी कारें

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का असर अब आटोमोबाइल क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। समझौते के अंतर्गत ब्रिटेन से भारत आयात की जाने वाली कुछ प्रीमियम और लक्ज़री कारों पर लगने वाले शुल्क में राहत मिलने की संभावना है, जिसके चलते कई लोकप्रिय माडलों की कीमतों में कमी आ सकती है। जानकारी के अनुसार, इस नई व्यवस्था को 15 जुलाई से लागू किया जा सकता है। वर्तमान में विदेशों से आयात की जाने वाली लक्ज़री कारों पर भारत में भारी आयात शुल्क लगाया जाता है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय बाजार की तुलना में काफी महंगी हो जाती हैं। नए समझौते के बाद इस शुल्क में कमी आने से कार निर्माताओं की लागत घटेगी, जिसका सीधा लाभ ग्राहकों को मिलने की उम्मीद है। हालांकि प्रत्येक माडल पर कीमत में समान कमी नहीं होगी, लेकिन कई गाड़ियों के मूल्य में लाखों रुपये तक का अंतर आने की संभावना जताई जा रही है। आटोमोबाइल उद्योग से जुड़े जानकारों का मानना है कि शुल्क में राहत मिलने के बाद कंपनियां अपने उत्पादों की कीमतों में संशोधन करेंगी, जिससे लक्ज़री वाहन बाजार में नई प्रतिस्पर्धा पैदा होगी और ग्राहकों को अधिक विकल्प उपलब्ध होंगे। विशेष रूप से रेंज रोवर, डिफेंडर, डिस्कवरी और जगुआर जैसे माडलों की कीमतों में कमी आने की संभावना व्यक्त की जा रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि कीमतों में कमी से केवल ग्राहकों तक ही नहीं, बल्कि पूरे लक्ज़री वाहन बाजार को भी गति मिल सकती है, जिससे बिक्री में वृद्धि होगी।

ईंधन खुदरा विक्रेताओं को मार्जिन में राहत, पर कर अनिश्चितता बनी चुनौती

मुंबई। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय ईंधन विपणन कंपनियों (ओएमसी) के मार्जिन में सुधार हुआ है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। हालांकि, रिपोर्ट ने बढ़ते कर्ज के बोझ और ईंधन पर कर नीति को लेकर अनिश्चितता के कारण इस क्षेत्र की दीर्घकालिक कमाई की संभावनाओं को सीमित बताया है। रिपोर्ट बताती है कि कच्चे तेल की कीमतों में कमी और केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में कटौती के चलते सरकारी तेल विपणन कंपनियों के पेट्रोल और डीजल बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष-पूर्व स्तर से ऊपर पहुँच गया है। संघर्ष के दौरान वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बावजूद देश में खुदरा कीमतें काफी हद तक स्थिर रहीं। एलपीजी पर होने वाला नुकसान भी तेल कीमतों में गिरावट के साथ जल्द ही कम होने की उम्मीद है, जिससे कंपनियों की वित्तीय स्थिति में और सुधार होगा। हालांकि, रिपोर्ट ने मार्जिन में इस सुधार को लेकर सतर्कता बरती है। पिछले कुछ महीनों में ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है, जिससे उनके मूल्यांकन पर असर पड़ा है। इसके अतिरिक्त, लाभ का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा मार्च में की गई 10 रुपये प्रति लीटर की उत्पाद शुल्क कटौती के कारण है, जो वैश्विक तेल कीमतें स्थिर होने पर भविष्य में फिर से लगाया जा सकता है।

कुणाल शाह को मिली व्हाट्सऐप की ग्लोबल कमान, रचा इतिहास!

नई दिल्ली। टेक उद्योग में एक बड़े फेरबदल के तहत फिनटेक प्लेटफार्म सीआरईडी के संस्थापक और प्रमुख उद्यमी कुणाल शाह को मैसेजिंग दिग्गज व्हाट्सऐप का नया ग्लोबल हेड नियुक्त किया गया है। यह ऐतिहासिक नियुक्ति तब हुई है जब फेसबुक की मूल कंपनी मेटा प्लेटफार्म्स ने शाह की ही कंपनी क्रेड में 90 करोड़ रुपए (900 मिलियन डालर) के एक रणनीतिक निवेश की घोषणा की है। शाह इस पद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए हैं, जो वैश्विक टेक परिदृश्य में देश के बढ़ते प्रभाव और भारतीय नेतृत्व की क्षमता को दर्शाता है। वह 2019 से व्हाट्सऐप का नेतृत्व कर रहे विल कैथकार्ट की जगह लेंगे, जो अब मेटा के भीतर अगली पीढ़ी के उत्पाद विकास पर केंद्रित एक नए डिवीजन की कमान संभालेंगे। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब मेटा प्लेटफार्म्स ने क्रेड में 90 करोड़ डालर (900 मिलियन डालर) निवेश करने का फैसला किया है। इस रणनीतिक निवेश के तहत मेटा को क्रेड में 20 फीसदी अल्पांश हिस्सेदारी मिलेगी, जिससे इस सौदे के बाद क्रेड का मूल्यांकन 4.5 अरब डालर लगभग 43,239 करोड़ रुपये आंका गया है।

सरकारी तेल कंपनियों के मुनाफे में सुधार की उम्मीद कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन बेहतर होने का अनुमान

नई दिल्ली

सरकारी पेट्रोलियम विपणन कंपनियों (ओएमसी) के लिए मुनाफे में सुधार की उम्मीद जगी है। जेपी मार्गन की एक रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की घटती कीमतों से ईंधन विपणन मार्जिन में सुधार इसका मुख्य कारण है। हालांकि, बढ़ते कर्ज और ईंधन कर को लेकर अनिश्चितता इस क्षेत्र की लंबी अवधि की कमाई की संभावनाओं को सीमित कर सकती है।

जेपी मार्गन की रिपोर्ट बताती है कि सरकारी रिफाइनरियों और खुदरा ईंधन विक्रेताओं के पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर संयुक्त मार्जिन अब पश्चिम एशिया संघर्ष से पहले के स्तर से ऊपर है। यह कच्चे तेल की कम कीमतों और केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती का परिणाम है। संघर्ष के दौरान वैश्विक कीमतों में उछाल के बावजूद घरेलू कीमतें स्थिर रहने से कंपनियों को घाटा हुआ था, लेकिन अब स्थिति सुधर रही है।

एलपीजी पर अभी भी नुकसान अधिक है, लेकिन तेल कीमतों के साथ इसमें भी कमी आने की संभावना है। रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में माल भंडार के नुकसान का असर दिखेगा, लेकिन दूसरी तिमाही में लाभ बेहतर होने की उम्मीद है। हालांकि, मार्जिन सुधार को लेकर कुछ चिंताएं भी हैं। ओएमसी पर काफी कर्ज चढ़ा है, जिससे मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। इसके अतिरिक्त, मुनाफे का एक बड़ा हिस्सा उत्पाद शुल्क में कटौती के कारण है, और भविष्य में इसके फिर से बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। सरकार कर्ज चुकाने में ओएमसी की मदद के लिए कुछ समय तक कर कम रख सकती है, लेकिन अनिश्चितता बरकरार है। अगर तेल कीमतें कम रहती हैं, तो भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और इंडियन आयल कारपोरेशन (आईओसी) को निकट भविष्य में सबसे अधिक लाभ होने का अनुमान है।

अगले महीने कई एसयूवी माडल होंगे लांच

नई दिल्ली। भारतीय आटोमोबाइल बाजार में अगले महीने कई दमदार एसयूवी लान्च होने वाली हैं। इन एसयूवी में शानदार रोड प्रेजेंस और बेहतरीन फीचर्स देखने को मिलेंगे। सबसे पहले, स्कोडा 22 जून 2026 को नई स्कोडा कोडिएक आरएस लान्च करने जा रहा है। यह कंपनी की परफार्मेंस-ओरिएंटेड एसयूवी होगी, जिसमें 2.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा जो 263 हार्सपावर की पावर और 400 एनएम का टार्क जेनरेट करेगा। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी सिर्फ 6.3 सेकंड में 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है। इसके बाद, टाटा मोटर्स अपनी सिएरा ईवी को 30 जून 2026 को लान्च करेगी। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को कई बार भारतीय सड़कों पर टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। सिएरा ईवी का डिजाइन इसके पेट्रोल और डीजल वर्जन जैसा ही रहने की उम्मीद है, जिसमें ऊंचा स्टांस और रगेड एसयूवी लुक होगा। यह कंपनी के एक्टी.ईवी+ प्लेटफार्म पर आधारित होगी और इसमें 55 केडब्ल्यूएच और 65 केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं, साथ ही सिंगल मोटर और ड्यूल मोटर, तथा टाप वेरिएंट में आल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) सिस्टम भी दिया जा सकता है। वहीं, निसान अपनी नई मिड-साइज एसयूवी टेक्टान को 9 जुलाई 2026 को इंडियन मार्केट में उतारेगी। यह एसयूवी रेनो डस्टर का रीबैज्ड वर्जन होगी, जो आरजीएमपी प्लेटफार्म पर आधारित रहेगी। इसमें 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल, 1.3 लीटर टर्बो पेट्रोल और 1.8 लीटर स्ट्रान्ग हाइब्रिड इंजन जैसे विकल्प मिलने की उम्मीद है, साथ ही मैनुअल और आटोमैटिक दोनों गियरबाक्स आप्शन भी मिलेंगे। और अंत में, होंडा ने मई में भारत में अपनी नई जेडआर-वी एसयूवी को पेश किया था, जिसकी प्री-बुकिंग शुरू हो चुकी है। इसकी कीमतों की घोषणा जुलाई में होने की उम्मीद है और इसी दौरान इसकी डिलीवरी भी शुरू हो सकती है।

नया इलेक्ट्रिक स्कूटर डेफी 22 पेश, जबर्दस्त माइलेज का दावा

नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी फेराटो ने अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर, डेफी 22, पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर एक बार पूर्ण रूप से चार्ज होने पर 100 किलोमीटर तक की वास्तविक दूरी तय कर सकता है, जो इसे शहरी और अर्ध-शहरी उपयोग के लिए उपयुक्त बनाता है।

फेराटो डेफी 22 को कई आकर्षक द्वि-रंगी रंग विकल्पों में उपलब्ध कराया गया है, जिनमें शैंपेन क्रीम, ब्लैक फायर, कोस्टल आइवरी, यूनिटी व्हाइट, रेजिलिएंस ब्लैक, डव ग्रे और मैट ग्रीन जैसे रंग शामिल हैं। इस स्कूटर में 2.2 किलोवाट-घंटा क्षमता की लिथियम फेरो फास्फेट बैटरी दी गई है, जिसके साथ 1200 वाट की विद्युत मोटर जोड़ी गई है, जो आवश्यकता पड़ने पर 2500 वाट तक की अधिकतम शक्ति उत्पन्न कर सकती है। स्कूटर की अधिकतम गति 70 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है, जो शहरों में नियमित उपयोग के लिए पर्याप्त है। फेराटो ने इस स्कूटर में आधुनिक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा है; इसमें सात इंच का स्पर्श आधारित डिजिटल प्रदर्शन पटल दिया गया है, जो वाहन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करता है, साथ ही इसमें संगीत सुविधा भी शामिल है। स्कूटर में 12 इंच के आकर्षक मिश्रधातु पहिए दिए गए हैं। कंपनी ने डेफी 22 में सुरक्षा को भी महत्व दिया है, जिसमें संयुक्त डिस्क ब्रेक प्रणाली और बैटरी को धूल व पानी से सुरक्षा देने वाली विशेष श्रेणी शामिल है। भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बढ़ रही प्रतिस्पर्धा के बीच, फेराटो ने इसकी एक्स-शोरूम कीमत 1,01,999 रुपये रखी है, जिससे यह मध्यम बजट के ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन सकता है। बता दें कि आकर्षक डिजाइन, आधुनिक तकनीक और लंबी दूरी तय करने की क्षमता के साथ आया यह स्कूटर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो दैनिक आवागमन के लिए किफायती और सुविधाजनक विकल्प की तलाश कर रहे हैं।

दो लाख डाउन पेमेंट पर स्कोडा काइलाक आटोमैटिक

नई दिल्ली। कार निर्माता कंपनी स्कोडा की ओर से काइलाक का क्लासिक एटी वेरिएंट आटोमैटिक विकल्प के रूप में आफर किया गया है। अगर आप स्कोडा काइलाक के आटोमैटिक वेरिएंट को दो लाख रुपये का डाउन पेमेंट करके खरीदते हैं, तो आपको लगभग 8.30 लाख रुपये की राशि बैंक से फाइनेंस करवानी होगी। इस एसयूवी की एक्स-शोरूम कीमत 9.25 लाख रुपये है। दिल्ली में इसे खरीदने पर लगभग 65 हजार रुपये आरटीओ और करीब 40 हजार रुपये इंश्योरेंस के देने होंगे, जिसके बाद गाड़ी की दिल्ली में आन-रोड कीमत 10.30 लाख रुपये हो जाती है। यदि बैंक नौ फीसदी वार्षिक ब्याज दर के साथ सात साल के लिए यह लोन देता है, तो आपको हर महीने सिर्फ 13,355 रुपये की मासिक किस्त (ईएमआई) देनी होगी। इस गणना के अनुसार, सात साल की अवधि में आप स्कोडा काइलाक के आटोमैटिक वेरिएंट के लिए लगभग 2.91 लाख रुपये बतौर ब्याज चुकाएंगे। इस तरह, आपकी गाड़ी की कुल लागत (एक्स-शोरूम कीमत, आन-रोड शुल्क और ब्याज मिलाकर) लगभग 13.21 लाख रुपये हो जाएगी।

सर्राफा बाजार में फीकी पड़ी सोने की चमक, चांदी के भाव में भी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। वहीं, चेन्नई में सोने के भाव में 400 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आई है। चांदी के भाव में भी 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,590 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,44,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स सपाट स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान सेमीकंडक्टर स्टाक्स में आई जोरदार गिरावट और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रवैये को लेकर बने चिंता की वजह से गिरावट के साथ बंद हुए।

डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज इस 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,665.49 अंक के स्तर पर आ गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 107.33 अंक यानी 1.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,365.46 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 545.30 अंक यानी 2.08 प्रतिशत टूट कर 25,621.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 51,663.58 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत लुढ़क कर 10,428.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.71 प्रतिशत फिसल कर 8,340.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 246.11 अंक यानी 0.99 प्रतिशत टूट कर 24,893.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स फिलहाल 92.81 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,296.65 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,406 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,869.50 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,216.41 अंक के स्तर पर पहुंचे हुए हैं। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 688.38 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 69,100 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.25 प्रतिशत फिसल कर 4,096.14 अंक के स्तर पर आ गया है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,136.78 अंक यानी 2.47 प्रतिशत लुढ़क कर 45,963.87 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.06 प्रतिशत टूट कर 6,037.56 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,540.29 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।